भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2113
उत्तर देने की तारीख-11/03/2026

भारतीय भाषा पुस्तक योजना के उद्देश्य और क्रियान्वयन

2113 # **श्री बृज लाल:**
डा. सुमेर सिंह सोलंकी:
श्रीमती सीमा द्विवेदी:
श्री मिथलेश कुमार:
श्री शंभू शरण पटेल:
श्रीमती माया नारोलिया:
श्री नारायण कोरागप्पा:
श्री सुभाष बराला:
डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी:
श्री चुन्नीलाल गरासिया:
श्री मिलिंद मुरली देवरा:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय भाषा पुस्तक योजना के उद्देश्य और क्रियान्वयन संबंधी ढांचा क्या है;
(ख) पुस्तकों का आवंटन और वितरण, जिसमें प्रकाशकों, शैक्षणिक संस्थाओं और सामग्री निर्माताओं के साथ साझेदारी सहित चरण-I में डिजिटलीकरण के लिए लक्षित पुस्तकों की संख्या क्या रही है;
(ग) क्या मंत्रालय ने गुणवत्ता आश्वासन, कॉपीराइट प्रबंधन और पहुँच सुनिश्चित करने के लिए तंत्र स्थापित किए हैं और क्या इसके दायरे का विस्तार व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा सामग्री तक करने का कोई विचार है; और
(घ) यदि हाँ, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 बहुभाषिकता के महत्व को दर्शाती है और सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर बल देती है। एनईपी 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप और छात्रों के लिए भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक सामग्री सुलभ बनाने के

उद्देश्य से, केंद्रीय बजट वर्ष 2025-26 में भारतीय भाषा पुस्तक योजना (बीबीपीएस) की घोषणा की गई है, ताकि स्कूल और उच्चतर शिक्षा के लिए डिजिटल प्रारूप में भारतीय भाषाओं में पुस्तकें उपलब्ध कराई जा सकें। बीबीपीएस का लक्ष्य 22 भारतीय भाषाओं में शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना है।

शिक्षा मंत्रालय ने वैधानिक निकायों अर्थात विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के साथ मिलकर भारतीय भाषाओं में सामग्री के प्रावधान के लिए कई पहल की हैं।

उच्चतर शिक्षा में पाठ्यपुस्तकों के अकादमिक लेखन और अनुवाद की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, यूजीसी ने 'अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री बढ़ाना' (एएसएमआईटीए) पहल के तहत, स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए 22 भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें लिखने/तैयार करने के लिए 23 नोडल विश्वविद्यालयों के माध्यम से 1089 से अधिक लेखकों की पहचान की है।

एआईसीटीई ने अपनी तकनीकी पुस्तक लेखन योजना के माध्यम से लगभग 447 पुस्तकों का 12 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया है। इसके अतिरिक्त, पहुंच बढ़ाने के लिए, एआईसीटीई ई-कुंभ प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल प्रारूप में भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग पुस्तकें प्रदान करता है।

सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमईआईसीटी), सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य सभी शैक्षिक प्रक्रियाओं में सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी की क्षमता का लाभ उठाना है। एनएमईआईसीटी के तहत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर (आईआईटी-केजीपी) के सहयोग से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) शुरू किया गया था। एनडीएलआई देश भर के सभी शिक्षार्थियों को पाठ्यपुस्तकों, शोध पत्रों, पत्रिकाओं, संग्रहीत समाचार पत्रों और मल्टीमीडिया सामग्री आदि सहित शैक्षिक संसाधनों के विशाल ऑनलाइन भंडार तक नि:शुल्क पहुंच प्रदान करता है। यह प्लेटफॉर्म 39 भारतीय भाषाओं में सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे देश भर में और उससे परे शिक्षार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए ज्ञान तक समावेशी और बहुभाषी पहुंच सुगम हो जाती है।

शिक्षा मंत्रालय ने स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंडस (स्वयम) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है जो प्रमुख संस्थानों द्वारा व्यवस्थित की गई सामग्री को होस्ट करता है और "कोई भी, कहीं भी, कभी भी" सीखने के दृष्टिकोण के साथ नि:शुल्क उपलब्ध है। आज तक, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और असमिया सहित कई भारतीय भाषाओं में 370 से अधिक स्वयम पाठ्यक्रमों का अनुवाद किया गया है।

****